तापमान

भोपाल	39.1°	29.9°
इंदौर	37.4°	21.7°
जबलपुर	39.7°	27.2°
ग्वालियर	43.9°	29.1°

दैनिक
नईदुनिया

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

वर्ष- 78
(सागर : वर्ष 12 अंक 58 ,पृष्ठ 12)
सोमवार 19 मई 2025
सागर संस्करण
कीमतः 3:00 रुपये

राजधानी... वर्तमान और भावी पीढ़ी को गौरवशाली अतीत ...

खेल... आरसीबी के पास इस बार खिताब जीतने का सुनहरा ...

व्यापार... अटारी -वाघा सीमा पर फिर से शुरु हुआ ...

देश-विदेश... नेपालः स्वामी रामदेव और आचार्य ...

www.naiduniaonline.com

पाकिस्तान पर डिप्लोमेटिक स्ट्राइक से पहले होगी सांसदों की ब्रीफिंग

विदेश जाने वाले डेलिगेशन संग विक्रम मिसरी करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सर्वदलीय सांसदों के 7 डिलिगेशन अलग-अलग देशों की यात्रा पर जाएंगे। इससे पहले विक्रम मिसरी दो चरणों में सांसदों को ब्रीफ करेंगे। संसद भवन में पहले चरण की बीफ्रिंग 20 मई को होगी जबकि दूसरी चरण की ब्रीफिंग 23 मई को होगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान को बेनकाब कर रहा है। इस कड़ी में अब सर्वदलीय सांसदों के 7 डेलिगेशन 32 देशों की यात्रा कर आतंक परस्त मुल्क की पोल खोलेंगे और भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया को जानकारी देंगे। इन डेलिगेशन में अलग-अलग राजनीतिक दलों के सांसद, पूर्व मंत्री और पूर्व राजदूत शामिल हैं। इन सांसदों की विदेश यात्रा से पहले विदेश सचिव विक्रम मिसरी पूरे डेलिगेशन को ब्रीफ करेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सांसदों के 7 डिलिगेशन अलग-अलग देशों की यात्रा पर जाएंगे। इससे पहले विक्रम मिसरी दो चरणों में सांसदों को ब्रीफ करेंगे। संसद भवन में पहले चरण की बीफ्रिंग 20 मई को होगी और इस दौरान श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी और संजय झा की अगुवाई वाले तीन अलग-अलग डेलिगेशन को ब्रीफ किया जाएगा। इसके बाद ये तीन ग्रुप 21 से 23 मई के बीच विदेश दौरा करेंगे। दूसरे चरण की ब्रीफिंग 23 मई को होगी और इसमें सुप्रिया सुले, बैजयंत पांडा, रविशंकर प्रसाद और शशि थरूर की अगुवाई वाले चार अलग-अलग डेलिगेश को विक्रम मिसरी ब्रीफ करेंगे। इसके बाद ये ग्रुप 23 से 25 मई के बीच विदेश दौरा करेगा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अगुवाई में सांसदों का डेलिगेशन अमेरिका, पनामा, गुयाना, कोलंबिया और ब्राजील की यात्रा करेगा।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी विक्रम मिसरी लगातार सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ प्रेस ब्रीफिंग कर रहे थे। इस पूरे ऑपरेशन के बारे में देश को विस्तार से बताने और पाकिस्तान के हर झूठ को बेनकाब करने की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी। ऐसे में विदेश जाने वाले सांसदों को ब्रीफ कर वह भारत का अधिकारिक स्टैंड उनके सामने रखेंगे, ताकि विदेश में सातों डेलिगेशन हर मुद्दे पर खुलकर चर्चा कर सकें। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अगुवाई वाले डेलिगेशन में शांभवी चौधरी (एलजेपी-आरवी), सरफराज अहमद (जेएमएम), जीएम हरीश बालयोगी (टीडीपी), शशांक मणि त्रिपाठी (बीजेपी), भुवनेश्वर कलिता (बीजेपी), मिलिंद देवड़ा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (बीजेपी) और पूर्व राजनयिक तरनजीत संधू शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका, पनामा, गुयाना, कोलंबिया और ब्राजील की यात्रा करेगा। बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा की अगुवाई वाले डेलिगेशन में निशिकांत दुबे, फंगनन कोन्याक, रेखा शर्मा (सभी भाजपा), असदुद्दीन ओवैसी, सतनाम संधू (नॉमिनेट), पूर्व मंत्री गुलाम नबी आजाद और पूर्व विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला शामिल हैं।

पाक सैन्य डीजीएमओ के साथ बातचीत आज नहीं : सेना

भारतीय सेना ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ)के साथ आज कोई वार्ता निर्धारित नहीं है। सेना ने रविवार सुबह बताया कि मीडिया की कुछ रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर बनी सहमति आज खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि यह भी सवाल उठाएं जा रहे हैं कि क्या आज दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच कोई वार्ता निर्धारित है । सेना की ओर से कहा गया है कि 12 मई को हुई दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों की बातचीत में लिए गए निर्णय के अनुसार सैन्य कार्रवाई को स्थगित करने के लिए बनी सहमति के समाप्त होने की कोई तिथि नहीं है। दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच 12 मई को हुई बातचीत के बाद पाकिस्तान की ओर से कहा गया था कि सैन्य कार्रवाई को अगले रविवार यानि 18 मई तक रोकने पर सहमति बनी है। इसे देखते हुए मीडिया की रिपोर्टों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे।

सहकारी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकताः अमित शाह

अहमदाबाद (एजेंसी)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में सभी लोगों को जागरूक कर, पारदर्शिता के नए आयाम तय कर सहकारी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता है।

श्री शाह ने आज अहमदाबाद में गुजरात राज्य सहकारी संघ द्वारा विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका पर आयोजित महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तौर पर मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता शब्द पूरे विश्व में आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना वर्ष 1900 में था। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में 2021 से सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित करने का एक बहुत बड़ा प्रयास शुरू हुआ और इसीलिए सहकारिता वर्ष की शुरुआत भारत में करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि 2021 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुई शुरूआत के तहत सहकार से समृद्धि और विकसित भारत में सहकारिता की भूमिका के दो सूत्रों को देश के सामने रखा गया। उसी शुरूआत के अंतर्गत आज गुजरात में इस सहकारिता सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

श्री शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में हुए परिवर्तन के लाभ जब तक निचले स्तर पर प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पीएसीएस) और किसानों तक नहीं पहुंचेंगे तब तक सहकारिता क्षेत्र मजबूत नहीं हो सकता। इसीलिए यह बहुत जरूरी है कि हम सहकारी संस्थाओं को आगे बढ़ाएं। हमें सभी प्रकार की सहकारी संस्थाओं में जागरूकता, प्रशिक्षण और पारदर्शिता लाने का प्रयास करना होगा। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान साइंस ऑफ कोऑपरेशन और साइंस इन कोऑपरेशन पर भारत सरकार ने बल दिया है। आजादी के आंदोलन के समय देश में शुरू हुआ सहकारिता आंदोलन धीरे-धीरे देश के एक बड़े भाग में लगभग समाप्त हो चुका था। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस आंदोलन के तहत हर राज्य और जिले तक सहकारिता का विस्तार हो। साथ ही हर राज्य में प्राथमिक सहकारी समितियों की स्थिति सुधरे, जिलास्तरीय संस्थाएं मजबूत हो और उनके माध्यम से राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर का सहकारी ढांचा भी मजबूत बने।

श्री शाह ने कहा कि कई वर्षों से चली आ रही वैश्विक त्रि-स्तरीय सहकारिता ढांचे की कल्पना में हमने चौथे स्तर को जोड़ा है। सहकारिता के ढांचे की हर सहकारी गतिविधि से जुड़े राष्ट्रीय संस्थानों, राज्यस्तरीय सहकारी संस्थाओं, जिलास्तरीय संस्थाओं और हर क्षेत्र की प्राथमिक सहकारी समितियों को मजबूत करते हुए पूरे देश में सहकारिता को पहुंचाना ज़रूरी है। इसके लिए हमें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का उपयोग करना चाहिए।

खास-खबरें

मोदी और मुर्मू ने उपराष्ट्रपति धनखड़ को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके 74वें जन्मदिन के अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने राज्यसभा की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। धनखड़ का जन्म 18 मई, 1951 को राजस्थान के झुंझुनू जिले के किठाना गांव में हुआ था। उन्होंने 11 अगस्त, 2022 को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। वह रविवार को 74 वर्ष के हो गए। उपराष्ट्रपति होने के नाते वह राज्यसभा के सभापति भी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को रविवार को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी।

मेघालय में पाक का समर्थन करने के आरोप में दो गिरफ्तार

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय के उत्तरी गारो हिल्स जिले में पाकिस्तान का समर्थन करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। बाजेंगडोबा थाने के अंतर्गत चोरेबोलबोक गांव के सिलग्रिंग डी. संगमा और चंबिलदम गांव के अस्बाथ बी. मारक को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस के प्रमुख ने बताया कि दोनों व्यक्तियों को सोशल मीडिया पर गारो भाषा में धार्मिक घृणा से भरा संदेश फैलाते और भारत के खिलाफ नारे लगाते तथा पाकिस्तान द्वारा भारत पर हमलों का समर्थन करते और भड़काते देखा जा सकता है।

पुलिस का चौंकाने वाला खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाक खुफिया एजेंटों के संपर्क में थी ज्योति जासूस

हिसार (एजेंसी)।

हरियाणा से गिरफ्तार हुई पाकिस्तान की जासूस ज्योति मल्होत्रा को लेकर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस का खुलासा ज्योति के जरिए पाकिस्तान की बड़ी साजिश का पर्दाफाश करती है। साथ ही यह भी बताता है इजी मनी और लग्जरी लाइफ की चाहत में ज्योति ने अपने देश के साथ कितनी बड़ी गद्दारी की। ट्रैवल ब्लॉगर और यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा फिलवक्त हिसार पुलिस के शिकंजे में है।

जहां पुलिस की टीम ज्योति सहित उसके अन्य साथियों से लगातार पूछताछ कर रही है। रविवार को हिसार के एसपी शंशाक कुमार सावन ने अभी तक पूछताछ के बारे में जानकारी दी। हिसार एसपी द्वारा दी गई जानकारी से ज्योति के पहलगाम टूर से लेकर पाकिस्तान द्वारा एक एसेट के रूप में इस्तेमाल किए जाने की साजिश का राज खोलती है। मालूम हो कि ज्योति 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले से पहले कश्मीर और पाकिस्तान गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो आया सामने, सैनिक बोला ....

वो गुस्सा नहीं लावा था, अब उनकी पीढ़ियां याद रखेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। भारतीय सेना की पश्चिमी कमान की ओर से जारी वीडियो में सेना के एक जवान ने कहा कि ये शुरुआत पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले से शुरू हुई, जो कि गुस्सा नहीं लावा था।

वीडियो में सेना के जवान ने कहा कि दिमाग में बस एक ही बात थी कि अबकी बार ऐसा जवाब देंगे कि इनकी पीढ़ियां याद रखेंगी, ये बदले की भावना नहीं, न्याय था। 9 मई रात को तकरीबन 9 बजे दुश्मन की फोर्स ने सीजफायर का उल्लंघन किया। इन सभी पोस्ट्स को भारतीय सेना ने मिट्टी में मिला दिया। जवान ने कहा है कि दुश्मन अपनी पोस्ट छोड़कर भागता नजर आया। वीडियो में भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से जब सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा था, भारतीय चौकियों के साथ-साथ रिहायशी इलाकों को भी टारगेट किया जा रहा था। इसका वीडियो वेस्टर्न कमांड इंडियन आर्मी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया।

इस हफ्ते की शुरुआत में भारतीय सेना की पश्चिमी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने जम्मू क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कई स्थानों का दौरा किया और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की सटीक और दंडात्मक प्रतिक्रिया की सराहना की। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

मोदी को किसी देश की दादागिरी बर्दाश्त नहीं : साक्षी महाराज

बुलंदशहर (एजेंसी)।

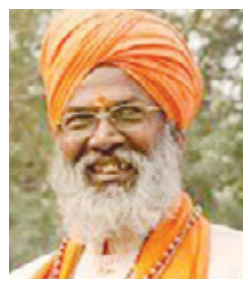

सांसद डॉक्टर सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी भी देश की दादागिरी बर्दाश्त नहीं की बल्कि भारत-पाक युद्ध में दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारा गया।

यहां स्याना क्षेत्र स्थित नगला आलमपुर में बाबूजी कल्याण सिंह कॉलेज ऑफ़ लॉ के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए साक्षी महाराज ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण कल्याण सिंह की देन है। जिसके लिए उन्हें 24 घंटे की जेल भी हुई थी। पूर्व सांसद व मंत्री राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस कॉलेज की स्थापना एक क्रांतिकारी कदम है। ये जिला मेरा एवं मेरे पिता की कर्मभूमि रही है। उन्होंने कहा कि राजनीति में भी हमारी हिस्सेदारी बढ़नी चाहिए।

ईओएस-09 मिशन तीसरे चरण में चूका

इसरो चीफ ने कहा - हम वापसी करेंगे

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का महत्वाकांक्षी ईओएस-09 मिशन आज लॉन्चिंग के तीसरे चरण में तकनीकी कमी के कारण असफल हो गया।

यह मिशन पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के जरिए श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 5: 59 बजे प्रक्षेपित किया गया था। हालांकि, लॉन्चिंग के कुछ ही मिनटों के भीतर तीसरे चरण में समस्या आने के कारण सैटेलाइट को उसकी तय सूर्य समकालिक ध्रुवीय कक्षा एसएसपीओ में नहीं पहुंचाया जा सका। ईओएस-09 एक अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है, जिसमें सी-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह सैटेलाइट किसी भी मौसम और दिन-रात में धरती की सतह की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरें लेने में सक्षम होता।

हैदराबाद के गुलजार हाउस में आग लगने से 17 की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार तड़के भीषण आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि दिये जाने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि वह लोगों की दुखद मौत से बहुत दुखी हैं। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 02 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग के अनुसार चारमीनार के गुलजार हाउस चौरास्ता में स्थित जी+2 बिल्डिंग में सुबह 6.16 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद मोगलपुरा दमकल केंद्र से एक वाटर टेंडर और चालक दल सबसे पहले मौके पर पहुंचे। आग भूतल पर लगी थी और तेजी से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। अग्निशमन, तलाश और बचाव अभियान एक साथ शुरू किया गया। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने पहली मंजिल पर फंसे सत्रह व्यक्तियों को बचाया और इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया। कुछ देर बाद विभिन्न स्थानों से कुल 12 अग्निशमन उपकरण घटनास्थल पर पहुंचे। कड़ी मुशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया।

पाकिस्तान में मारा गया लश्कर का आतंकी अबू सैफुल्लाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के सहमे पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान के सिंध में लश्कर-ए-तैयबा और जमात का आतंकवादी रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह मारा गया। सैफुल्लाह को पाकिस्तान के सिंध में मतली फलकारा चौक के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को रजुल्लाह निजामनी उर्फअबू सैफुल्लाह को मतली फलकारा चौक के पास गोली मार दी गई। सैफुल्लाह नेपाल में लश्कर के मॉड्यूल पर काम कर रहा था और भारत में आतंकियों की घुसपैठ और आर्थिक मदद जुटाने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहा था। सैफुल्लाह लश्कर के ऑपरेशनल कमांडर आजम चीमा उर्फ बाबाजी का सहयोगी था। सैफुल्लाह 2006 में नागपुर के आरएसएस मुख्यालय पर हुए हमले में शामिल था। इसके अलावा रामपुर स्थित सीआरपीएफ कैंप पर हुए आतंकी हमले और आईआईएससी बेंगलुरु पर हमले की साजिश में भी इसका हाथ था।

स्पेशल खबर *भारत का संविधान सर्वोच्च, इसके ....*

स्तंभों को मिलकर काम करना चाहिए : गवई

मुंबई (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने न्यायिक अधिकारों को लेकर जारी बहस के बीच आज अपने गृह राज्यं महाराष्ट्र की यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल संबंधी खामियों की ओर इशारा किया।

साथ ही कार्यपालिका को लेकर की गई एक टिप्पणी में उन्होंतने कहा कि यदि जज प्रोटोकॉल तोड़ते हैं तो अनुच्छेद 142 के बारे में चर्चा शुरू हो जाती है, जो सर्वोच्च न्यायालय को विशेष शक्तियां प्रदान करता है। पिछले महीने देश के शीर्ष न्यायिक पद पर आसीन होने वाले और इस पद पर पदोन्नत होने वाले दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश ने मुंबई में एक सम्मान समारोह में भाग लिया और फिर बाबासाहेब अंबेडकर के स्मारक चैत्य भूमि का दौरा किया।

महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में अपने संबोधन के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने तीन प्रमुख अधिकारियों महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और मुंबई पुलिस आयुक्त की अनुपस्थिति की ओर इशारा किया। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, लोकतंत्र के तीन स्तंभ न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका समान हैं। प्रत्येक संवैधानिक संस्था को अन्य संस्थाओं के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। जब महाराष्ट्र का कोई व्यक्ति भारत का मुख्य न्यायाधीश बनता है और पहली बार महाराष्ट्र का दौरा करता है तो अगर महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक या मुंबई पुलिस आयुक्त को उपस्थित होना उचित नहीं लगता है तो उन्हें इस पर विचार करने की जरूरत है। प्रोटोकॉल कोई नई चीज नहीं है, यह एक संवैधानिक संस्था द्वारा दूसरे को दिए जाने वाले सम्मान का सवाल है।